Teachingninja.in

Latest Govt Job updates

Private Job updates

Free Mock tests available

Visit - teachingninja.in

HPPSC

Previous Year Paper

Subordinate Allied Services

Mains 2017 Hindi (Compulsory)

Teachingninja.in

HPSAS-2017
HINDI (Compulsory)
हिंदी (अनिवार्य)

समय : तीन घंटे | अधिकतम अंक : 150

Time Allowed : Three Hours | Maximum Marks : 150

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को, प्रश्नों के उत्तर देने से पहले, ध्यानपूर्वक पढ़ लें।

1. इसमें **9** प्रश्न हैं।
2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. परीक्षार्थियों को प्रश्न/प्रश्न के भाग के उत्तर खंड में दिए गये निर्देशों के अनुसार ही देने होंगे।
4. प्रत्येक प्रश्न/प्रश्न के भाग के अधिकतम अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. एक प्रश्न के सभी भागों के उत्तर, प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में उनके नियत स्थान पर लिखे जाने चाहिए। प्रश्नों/प्रश्न के भाग के उत्तर अनुक्रमवार गिने जायेंगे।
6. अगर उत्तर काटा नहीं गया है, तो आंशिक उत्तर देने पर भी उसे गिना जायेगा। यदि प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कोई पृष्ठ या भाग खाली छोड़ दिया गया है, उसे लकीर खींचकर स्पष्टत: काट देना आवश्यक है।
7. उम्मीदवारों को स्पष्ट, सुपाठ्य और संक्षिप्त उत्तर लिखना और शब्द सीमाओं का पालन करना आवश्यक है, जहाँ कहीं भी संकेत दिया गया हो। शब्द सीमा का पालन न करने पर दंडित किया जा सकता है।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

1. There are **9** questions.
2. *All* questions are compulsory.
3. Candidates should attempt questions/parts as per the instructions given in the section.
4. The number of marks carried by the question/part is indicated against it.
5. All parts of a question shall be attempted at the place designated for them in the Question-cum-answer Booklet. Attempts of part/questions shall be counted in sequential order.
6. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
7. Candidates are required to write clear, legible and concise answers and to adhere to word limits, wherever indicated. Failure to adhere to word limit may be penalized.

Time Allowed : 3 Hours | **Max. Marks : 150**

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अंग्रेजी अवतरण का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 30

One basic similarity between the films of Satyajit Ray and Mrinal Sen—and I have worked with both—was, how both were socially and politically conscious. That consciousness found its way into the stories, but there was no deliberate attempt to write a story that preached the virtues of such consciousness. They used cinema as a medium to express their socio-political concerns, and I don't think either of them made a film just for the sake of "entertainment". There are obviously many, many dissimilarities in the way they went about shooting or writing. Ray was obviously more individualistic, gifted in many directions such as in the use of the camera, in his musical talent, the way he directed his actors. Sen was more collaborative as a director. In fact, I would often be surprised by how deliberately unplanned his shoots were and how Mrinalda would bank on inspiration to strike or a conversation to emerge to take the scene forward.

अथवा

In a broad way, poetry may be divided into two classes. There is the poetry in which the poet goes down into himself and finds his inspiration and his subjects in his own experiences, thoughts, and feelings. There is the poetry in which the poet goes out of himself, mingles with the action and passion of the world without, and deals with what he discovers there with little reference

to his own individuality. The former class we may call personal or subjective poetry, or the poetry of self-delineation and self-expression. The latter we may call impersonal or objective poetry, or the poetry of representation or creation. The boundary lines between these two divisions cannot, of course, be drawn with absolute precision, and in much poetry, especially in our extremely composite modern poetry, personal and impersonal elements continually combine. But the distinction none the less rests on a firm foundation of the fact, and for pu:poses of classification it is undeniably useful.

2. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए : 15

क्योंकि हम बच्चों के साथ ईमानदारी नहीं बरतते, हम उन्हें भी हमारे प्रति ईमानदार होने से रोकते हैं। सबसे पहले तो हम उन्हें बाध्य करते हैं कि वे भी उस कपोल कल्पना में भाग लें कि स्कूल एक अद्भुत जगह है और बच्चे वहाँ बिताए हरेक क्षण का आनंद उठाते हैं। बच्चे शुरू से ही यह सीख लेते हैं कि स्कूल और शिक्षकों को नापसंद करने की मनाही है। इस भावना का तो उल्लेख ही नहीं होना चाहिए—विचारों तक में नहीं। मैं एक बच्ची को जानता हूँ जो वैसे तो एक स्वस्थ और प्रसन्न बच्ची थी पर पाँच वर्ष की उम्र में चिंता से बीमार हो चली थी, इसलिए कि उसे अपने स्कूल की शिक्षिका अच्छी नहीं लगती थी। रोबर्ट हाइनेमन ने कई वर्षों तक ऐसे बीमार छात्रों के साथ काम किया था, जिनसे स्कूल निपट नहीं सकते थे। उन्होंने पाया कि जो एक तथ्य दूसरे सभी तथ्यों से कहीं अधिक बच्चों को जड़ बनाता था—वह यह था कि ये बच्चे स्कूल और शिक्षकों के प्रति भय, शर्म, क्रोध व घृणा को व्यक्त तो क्या, स्वीकार तक नहीं कर पाते थे। जब उन्हें ऐसी परिस्थिति मिली जहाँ वे इन भावनाओं को स्वयं के और दूसरों के सामने व्यक्त कर सकें तो वे एक बार फिर से सीखने लगे।

अथवा

कोई भी साहित्यिक कृति या धारा अपने में निरपेक्ष, निस्संग, असंपृक्त कृति या धारा नहीं होती। उसके पीछे एक लंबी काव्य-परंपरा होती है। वह काव्य-परंपरा किसी विशेष जाति या समाज के बहुमुखी सांस्कृतिक कृतित्व का एक अंग-मात्र होती है। उसके पीछे उस जाति के सुख-दु:ख,

संघर्ष और समन्वय, चिंतन और अनुभूति के सैकड़ों और हज़ारों वर्ष के इतिहास की संचित परंपरा रहती है। वह क्षण जिसमें वह कृति रची गई, उस लंबे इतिहास की ही एक संबद्ध कड़ी है और वह कलाकार उसी समूह की एक इकाई है, फिर भी किसी विशिष्ट अनुभूति-प्रक्रिया और रचना-प्रणाली के बल पर सृजन का वह क्षण समस्त परंपरागत इतिहास से अधिक सजीव और मर्मस्पर्शी बन जाता है। कलाकार में एक विशिष्टता है जिसके बल पर वह काल-प्रवाह के उस बिंदु को शब्दों में बाँधकर युग-युग के लिए स्थायी कर देता है।

3. निम्नलिखित कविता की व्याख्या कीजिए : 15

नहीं बचा अब लोगों में इतना धैर्य
कि कर सकें इत्मीनान से कोई भी काम

उन्हें सब कुछ एक मिनट में चाहिए
एक मिनट में हँसी
एक मिनट में शोक-वियोग
एक मिनट में नींद और स्वप्न
एक मिनट में मज़ा आना चाहिए
उन्हें एक मिनट में प्रेम चाहिए
एक मिनट में घृणा
एक मिनट में पूरी होनी चाहिए श्रद्धांजलि
एक मिनट में हो फैसला
कुल एक मिनट में युद्ध की तैयारी है उनके पास

नहीं बचा है धीरज
नहीं है ज़्यादा समय।

Teachingninja.in

अथवा

हो गई है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए।
इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।

आज यह दीवार परदों की तरह हिलने लगी,
शर्त लेकिन थी कि ये बुनियाद हिलनी चाहिए।

हर सड़क पर, हर गली में, हर नगर, हर गाँव में,
हाथ लहराते हुए हर लाश चलनी चाहिए।

सिर्फ़ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।

मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही,
हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **800** शब्दों में निबंध लिखिए : 40

(क) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का महत्त्व

(ख) चुनावी खर्च में बेतहाशा वृद्धि : लोकतंत्र के लिए ख़तरा

(ग) हिंदी कविता में 'प्रगतिवाद' : प्रासंगिकता का प्रश्न

(घ) उच्चतर शिक्षा-संस्थानों में राजनीति : आवश्यकता एवं स्वरूप

(ङ) वर्तमान भारतीय राजनीति में किसानों की उपस्थिति।

5. निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए : 10×1=10

(क) तुम क्या केरल जाओगे ?

(ख) बाज़ार से एक अण्डों की ट्रे ले आओ।

(ग) शबाना, सिमरन और अर्चना फ़िल्म देखने जाएगी।

(घ) पिताजी ने मुझे हलवाई से दूध पिलाया।

(ङ) हमने आज मंडी जाना है।

(च) मैं रेलगाड़ी पर आया हूँ।

(छ) हमारे यहाँ अनेक दर्शनीय स्थल देखने योग्य हैं।

(ज) हमारा मुख्य लक्ष्य विद्या-प्राप्ति होनी चाहिए।

(झ) मैं मेरी बहन के साथ गाँव जा रहा हूँ।

(ञ) ताजमहल की सौंदर्यता पर सभी मोहित होते हैं।

6. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उपयुक्त वाक्य-प्रयोग कीजिए : 1+1×10=20

(क) उँगली पर नचाना।

(ख) कान पर जूँ न रेंगना।

(ग) ज़मीन पर पैर न पड़ना।

(घ) भीगी बिल्ली बनना।

(ङ) हथेली पर सरसों जमाना।

(च) बाँछें खिल जाना।

(छ) पाँचों अँगुलियाँ घी में होना।

(ज) घड़ों पानी पड़ जाना।

(झ) सोने में सुहागा होना।

(ञ) हाथ-पैर मारना।

7. निम्नलिखित वाक्यों को उपयुक्त विरामादि-चिह्न लगाकर लिखिए : ½+½×8=8

(क) पी-एच डी करना कोई हँसी मजाक का काम नहीं।

(ख) शिमला में एक जनसभा है 31 जुलाई और 1 अगस्त को।

(ग) हिंदी के प्रसिद्ध कथाकार मुंशीजी मुंशी प्रेमचंद विश्व-स्तर के लेखक हैं।

(घ) पिताजी ने वाल्मीकि रामायण रघुवंश और उत्तर रामचरित को कई बार पढ़ा था।

(ङ) माँ ने बेटे से कहा – छि: तुम्हें यह शोभा नहीं देता।

(च) आज भी ईमानदार लोगों का बड़ा सम्मान है है न।

(छ) भूधर का अर्थ है भूमि को धारण करने वाला।

(ज) मैं सुबह शाम उसकी बाट जोहता हूँ वह मेरा नाम तक नहीं लेता।

8. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाले शब्द छाँटकर लिखिए : ½×12=6

बरात, इतिहासिक, वरुण, रामायन, छत्रिय, वृष्टि, परस्पर, संसारिक, अत्यधिक, तत्कालिक, सार्वजनिक, इकलौता, प्रतिक, व्यवहार, मिष्ठान्न, स्राप, सृष्टि, सौहार्द्र, पुन्य, प्रशंसा, अभीष्ठ, यजमान, कँचन, उपलक्ष्य।

9. निम्नलिखित शब्द-युग्मों का वाक्य-प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनके अलग-अलग अर्थ स्पष्ट हो जाएँ : ½+½×6=6

(क) नीड़-नीर

(ख) भुवन-भवन

(ग) प्रणय-परिणय

(घ) अपेक्षा-उपेक्षा

(ङ) शर-सर

(च) सुधि-सुधी।

Teachingninja.in